RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

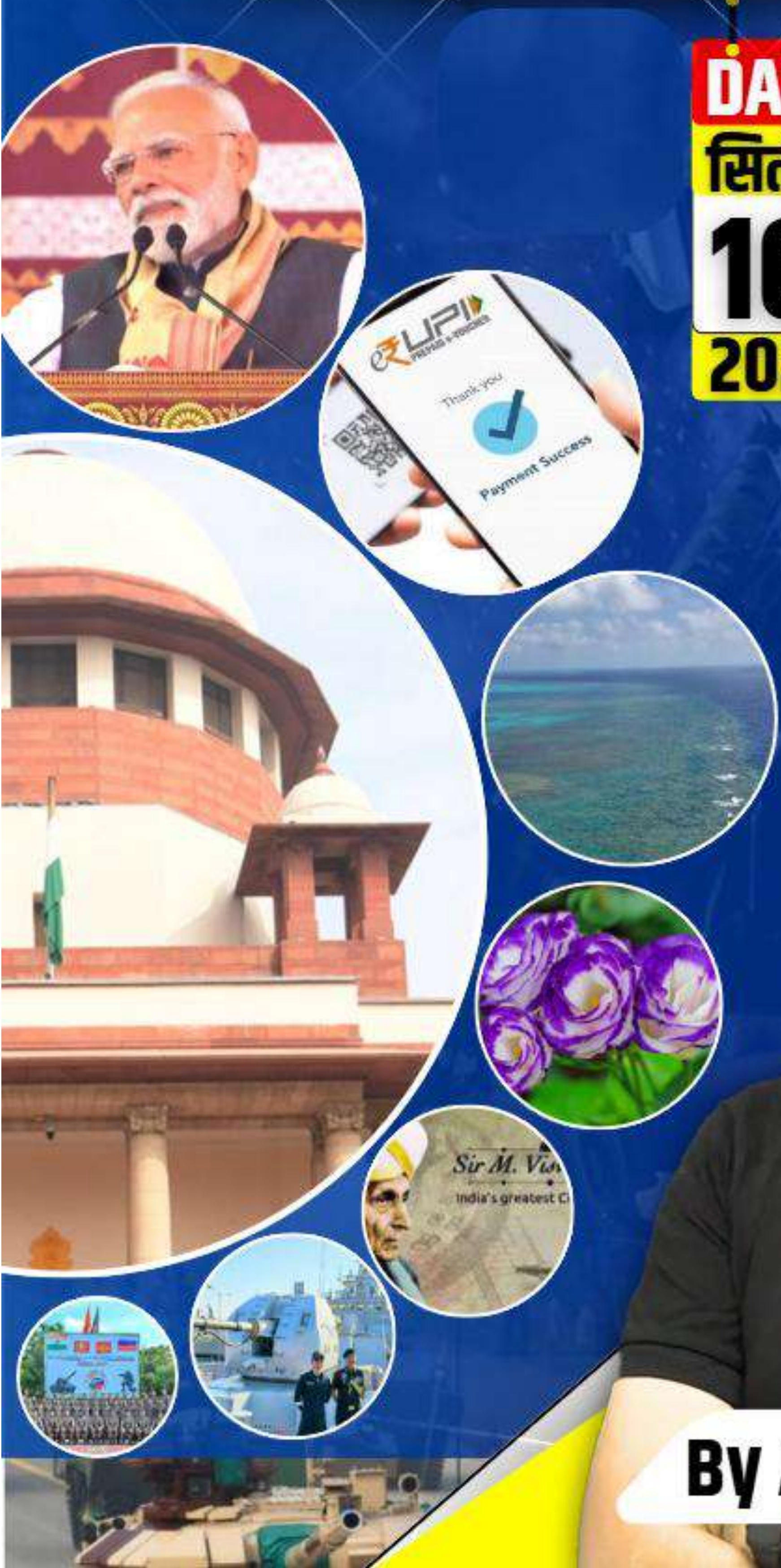

DATE
सितंबर
16
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

असम बायो-इथेनॉल प्लांट / Assam Bio-Ethanol Plant

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में देश की पहली बांस आधारित बायो-एथेनॉल रिफाइनरी का उद्घाटन किया। यह परियोजना भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सतत ईंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो स्वच्छ ऊर्जा के साथ-साथ ग्रामीण आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

असम बायो-इथेनॉल प्लांट की मुख्य विशेषताएँ:

प्रकृति (Nature): भारत की पहली **बायो-रिफाइनरी**, जहाँ कच्चे माल के रूप में **बांस (Bamboo)** का उपयोग किया जा रहा है।

स्थान (Location): यह संयंत्र **गोलाघाट ज़िला, असम** में स्थित है।

उद्देश्य (Objective):

- **बायो**-इथेनॉल का उत्पादन करना।
- इसे एक वैकल्पिक, नवीकरणीय और पर्यावरण-हितैषी ईंधन के रूप में बढ़ावा देना।

कच्चा माल (Raw Material): हर साल लगभग **5 लाख टन हरा बांस** असम, अरुणाचल प्रदेश और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों से लिया जाएगा।

स्वामित्व (Ownership): यह एक **संयुक्त उद्यम (Joint Venture)** है, जिसमें शामिल हैं:

- नुमालिगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (NRL)
- फिनलैंड की फॉर्टम (Fortum)
- चेमपोलिस OY (Chempolis OY)

महत्व (Significance):

- यह भारत की उस रणनीति से जुड़ा है जिसमें **आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना** और **स्वच्छ ऊर्जा (Clean Energy)** को बढ़ावा देना शामिल है।

असम बायो-इथेनॉल प्लांट का महत्व:

नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा (Renewable Energy Boost): यह भारत का पहला बांस-आधारित बायो-इथेनॉल प्लांट है, जो असम के प्राकृतिक **बांस भंडार** का उपयोग करता है।

आर्थिक प्रभाव (Economic Impact):

- बांस की खेती और संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा।
- इससे **पूर्वोत्तर भारत में रोजगार के नए अवसर** पैदा होंगे।

रणनीतिक भूमिका (Strategic Role):

- कार्बन फुटप्रिंट (Carbon Footprint) को कम करने में मदद करेगा।
- भारत के **एथेनॉल ब्लेंडिंग लक्ष्य (2025 तक 20% मिश्रण)** को हासिल करने में सहयोग देगा।

क्षेत्रीय विकास (Regional Development):

- ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा।
- साथ ही असम में **चिकित्सा और परिवहन अवसंरचना (Infrastructure)** के विस्तार से विकास को गति मिलेगी।

भारत में बांस उत्पादन:

क्षेत्र और विविधता (Area and Diversity): भारत के पास दुनिया में सबसे बड़ा बांस क्षेत्र है, जो लगभग 13.96 मिलियन हेक्टेयर भूमि को कवर करता है।

प्रजातियों की विविधता (Species Richness):

- प्रजातियों की विविधता में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।
- यहाँ कुल 136 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से 125 स्वदेशी और 11 विदेशी (Exotic) हैं।

उत्पादन (Production): भारत हर साल लगभग **14.6 मिलियन टन बांस** का उत्पादन करता है।

विशेषताएँ (Characteristics):

- बांस एक लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास (Lignocellulosic Biomass) है, जो खाद्य फसल नहीं बल्कि एक लकड़ी जैसी घास (Woody Grass) है।
- इसमें सेल्यूलोज और हेमीसेल्यूलोज पाया जाता है, जिन्हें शर्करा (Sugars) में तोड़ा जा सकता है और फिर एथेनॉल में किण्वित (Ferment) किया जा सकता है।

महत्व (Significance):

- यह सेकेंड-जनरेशन (2G) बायोएथेनॉल के लिए उपयुक्त है।
- इसका फायदा यह है कि यह खाद्य फसलों से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, जिससे खाद्य सुरक्षा पर असर नहीं पड़ता।

UPI दैनिक लेनदेन सीमा में परिवर्तन / UPI Daily Transaction Limit Changes

संदर्भ:

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा घोषित बदलाव आज से लागू हो गए हैं। 15 सितंबर 2025 से यूपीआई लेनदेन की लिमिट बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। यह कदम हाई-वैल्यू डिजिटल पेमेंट्स को और आसान बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

किन-किन कैटेगरी में बढ़ी है UPI लिमिट?

- **ट्रैवल बुकिंग:** फ्लाइट/ट्रेन टिकट जैसे खर्चों के लिए अब प्रति ट्रांजैक्शन ₹5 लाख और पूरे दिन में ₹10 लाख तक का पेमेंट कर सकेंगे।
- **ज्वेलरी खरीद:** एक बार में ₹2 लाख और 24 घंटे में कुल ₹6 लाख तक भुगतान कर सकेंगे।
- **लोन रीपेमेंट:** कलेक्शन/EMI के लिए ₹5 लाख प्रति ट्रांजैक्शन और दिनभर में ₹10 लाख तक।
- **कैपिटल मार्केट:** शेयर मार्केट व म्यूचुअल फंड निवेशों में ₹5 लाख प्रति ट्रांजैक्शन और ₹10 लाख डेली लिमिट।
- **इंश्योरेंस प्रीमियम:** प्रति ट्रांजैक्शन ₹5 लाख और दिनभर में अधिकतम ₹10 लाख।
- **क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट:** एक बार में ₹5 लाख और 24 घंटे में ₹6 लाख तक।
- **डिजिटल अकाउंट ओपनिंग:** शुरुआती जमा के लिए प्रति ट्रांजैक्शन ₹5 लाख तक।

इन बदलावों से UPI यूजर्स को क्या फायदा होगा?

इन नई लिमिट्स से यूजर्स को बड़े-बड़े पेमेंट आसानी से करने की सुविधा मिलेगी।

- अब **बीमा प्रीमियम, म्यूचुअल फंड निवेश और क्रेडिट कार्ड बिल** जैसे बड़े भुगतान बिना किसी रुकावट UPI से किए जा सकेंगे।
- ग्राहकों को **पेमेंट को छोटे हिस्सों में बांटने** या **चेक/बैंक ट्रांसफर** जैसे पारंपरिक तरीकों पर निर्भर नहीं रहना होगा।
- **रियल एस्टेट, ट्रैवल बुकिंग और लोन रीपेमेंट** जैसे हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शन भी एक ही प्लेटफॉर्म पर पूरे किए जा सकेंगे।
- इससे **समय की बचत** होगी और पेमेंट प्रोसेस भी ज्यादा **तेज़ और सुविधाजनक** बनेगा।

पर्सन-टू-पर्सन (P2P) लेनदेन पर कोई बदलाव नहीं: इन बदलावों का असर केवल पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) ट्रांजैक्शन पर होगा। **व्यक्ति से व्यक्ति (P2P) लेनदेन की सीमा पहले जैसी ही बनी रहेगी।** यानी, रोजाना एक व्यक्ति दूसरे को अधिकतम **1 लाख रुपये** तक ही ट्रांसफर कर सकेगा। इस श्रेणी में किसी भी तरह का संशोधन नहीं किया गया है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के बारे में:

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) भारत की डिजिटल पेमेंट व्यवस्था की आधारशिला है। इसे नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने विकसित किया है।, जो यूजर्स को एक ही ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ने और आसानी से **पर्सन-टू-पर्सन (P2P)** और **पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M)** लेनदेन करने की सुविधा देता है।

कैसे काम करता है: यह एक रियल-टाइम मोबाइल पेमेंट सिस्टम है

UPI के माध्यम से आप पैसे भेज (Push) भी सकते हैं और मंगा (Pull) भी सकते हैं। इसमें वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (VPA) का उपयोग होता है और दो-स्तरीय प्रमाणीकरण से सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। इसकी खासियत यह है कि हर बार बैंक डिटेल्स डालने की आवश्यकता नहीं होती।

प्रयुक्त तकनीकें: इमीडिएट पेमेंट सर्विस (IMPS): यह तकनीक तुरंत धनराशि ट्रांसफर करने में मदद करती है। इसमें पैसे मोबाइल नंबर और MMID या अकाउंट नंबर और IFSC के माध्यम से भेजे जा सकते हैं।

आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (AePS): आधार आधारित ऑथेंटिकेशन सिस्टम, जिसके जरिए कैश निकासी, जमा, बैलेंस पूछताछ और धन अंतरण जैसी बुनियादी बैंकिंग सेवाएँ ली जा सकती हैं।

UPI ने बनाया नया रिकॉर्ड: अगस्त में 20 अरब से ज्यादा लेनदेन-

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 में UPI के जरिए लेनदेन 20 अरब के पार पहुँच गए, जो अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। यह पिछले साल की तुलना में 35% की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है।

लेनदेन मूल्य में मामूली गिरावट: अगस्त में UPI के जरिए किए गए लेनदेन का कुल मूल्य **24.85 लाख करोड़ रुपये** रहा, जबकि जुलाई में यह **25.08 लाख करोड़ रुपये** दर्ज किया गया था। यानी मूल्य में हल्की गिरावट देखी गई।

डीएनए पर सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश / SC Guidelines on DNA

संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कट्टावेल्लई @ देवकर बनाम तमिलनाडु राज्य मामले में आपराधिक मामलों में डीएनए (DNA) नमूनों की शुचिता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए हैं। अदालत ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को निर्देश दिया है कि वे **चेन ऑफ कस्टडी रजिस्टर** और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के नमूना प्रारूप तैयार करें तथा इन्हें सभी जिलों में आवश्यक निर्देशों के साथ भेजना सुनिश्चित करें।

आपराधिक मामलों में डीएनए साक्ष्य का महत्व:

डीएनए क्या है: डीएनए (DNA) एक अणु है जिसमें सभी जीवित प्राणियों की आनुवंशिक जानकारी (Genetic Information) होती है।

- इसे हड्डी, रक्त, वीर्य, लार, बाल या त्वचा जैसी जैविक सामग्रियों से प्राप्त किया जा सकता है।

अपराध जांच में उपयोग:

- यदि अपराध स्थल से मिले नमूने का डीएनए प्रोफ़ाइल किसी संदिग्ध के डीएनए प्रोफ़ाइल से मेल खाता है, तो यह माना जा सकता है कि दोनों का जैविक स्रोत समान है।
- लेकिन, यह अपने आप में निष्कर्षात्मक (Substantive) साक्ष्य नहीं माना जाता।

कानूनी दृष्टिकोण:

- देवाकर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीएनए साक्ष्य केवल विशेषज्ञ की राय है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 45 (Section 45 of Evidence Act) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 39 (Section 39 of Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023) के तहत इसे रखा गया है।
- किसी भी राय की तरह, इसकी महत्ता हर केस के हिसाब से बदलती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की आवश्यकता:

1. प्रक्रिया में देरी (Procedural Delays):

- अदालत ने पाया कि डीएनए जांच के लिए नमूने फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) भेजने में अनुचित देरी होती है।
- नमूनों की चेन ऑफ कस्टडी (Chain of Custody) स्थापित नहीं हो पाई, जिससे नमूने के दूषित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

2. समानता की कमी (Lack of Uniformity):

- विभिन्न निकायों ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए हैं, लेकिन सभी जांच एजेंसियों के लिए कोई **समान और अनिवार्य प्रक्रिया** मौजूद नहीं है।

डीएनए साक्ष्य मामलों में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश

1. संग्रह की प्रक्रिया: संग्रह का रिकॉर्ड रखने वाले दस्तावेज़ में **चिकित्सक, जांच अधिकारी और स्वतंत्र गवाहों** के हस्ताक्षर और पदनाम होना आवश्यक है।

2. परिवहन (Transportation):

- डीएनए नमूनों को संबंधित पुलिस स्टेशन या अस्पताल तक ले जाने की जिम्मेदारी **जांच अधिकारी** की होगी।
- संग्रह के **48 घंटे के भीतर** नमूने संबंधित FSL तक पहुंचने चाहिए।
- यदि देरी होती है तो **कारण दर्ज करना अनिवार्य** होगा और नमूनों को सुरक्षित रखने के लिए सभी प्रयास किए जाएँगे।

3. नमूने का संरक्षण: जब तक ट्रायल या अपील लंबित है, नमूनों के पैकेज को **ट्रायल कोर्ट की अनुमति के बिना खोला, बदला या दोबारा सील नहीं** किया जा सकता।

4. चेन ऑफ कस्टडी रजिस्टर:

- नमूने के संग्रह से लेकर **आरोपी की सजा या बरी होने तक** एक चेन ऑफ कस्टडी रजिस्टर बनाए रखना अनिवार्य है।
- यह रजिस्टर ट्रायल कोर्ट के रिकॉर्ड में जोड़ा जाएगा।
- किसी भी कमी के लिए **जांच अधिकारी को स्पष्टीकरण देना होगा।**

निष्कर्ष: डीएनए साक्ष्य अपराध की जाँच और न्यायिक प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसकी विश्वसनीयता तभी सुनिश्चित हो सकती है जब इसे वैज्ञानिक मानकों और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप संभाला जाए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देश नमूने के संग्रह, परिवहन, संरक्षण और चेन ऑफ कस्टडी को व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। इनसे न केवल डीएनए साक्ष्य की प्रामाणिकता बनी रहेगी, बल्कि न्यायपालिका को सही और निष्पक्ष निर्णय लेने में भी मदद मिलेगी।

हुआंगयान द्वीप / Huangyan Island

संदर्भ:

फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर में विवादित हुआंगयान द्वीप (स्कारबोरो शोल) पर प्राकृतिक अभयारण्य स्थापित करने की चीन की योजना का कड़ा विरोध किया है।

हुआंगयान द्वीप / स्कारबोरो शोएल :

हुआंगयान द्वीप, जिसे **स्कारबोरो शोएल** भी कहा जाता है, दक्षिण चीन सागर (South China Sea) में स्थित एक **प्रवाल एटोल (Coral Atoll)** है। इसके नाम और संप्रभुता (Sovereignty) को लेकर कई देशों में विवाद है, जिनमें प्रमुख हैं – **चीन, फिलीपींस और ताइवान**।

मुख्य तथ्य:

1. **स्थान (Location):**
   - यह शोएल दक्षिण चीन सागर में, फिलीपींस के मुख्य द्वीप **लूज़ोन (Luzon)** से लगभग **220 किमी (120 नॉटिकल मील)** पश्चिम में स्थित है।
   - हांगकांग से यह **800 किमी दक्षिण-पूर्व** की दूरी पर है।
2. **वैकल्पिक नाम (Alternative Names):**
   - फिलीपींस में इसे **पनाटाग शोएल (Panatag Shoal)** या **बाजो डे मसीनलोक (Bajo de Masinloc)** कहा जाता है।
   - चीन में इसे **हुआंगयान द्वीप** कहा जाता है।
3. **भूगोल (Geography):**
   - यह एक प्रवाल एटोल है जिसमें **रीफ (Reefs)** मिलकर एक बड़े **लैगून (Lagoon)** को घेरते हैं।
   - यह लैगून एक सुरक्षित और समृद्ध **मत्स्य क्षेत्र (Fishing Ground)** है।
4. **रणनीतिक महत्व (Strategic Importance):**
   - यह स्थान **मुख्य समुद्री व्यापार मार्गों (Shipping Lanes)** के नजदीक है, जिनसे हर साल अरबों डॉलर का व्यापार होता है।
   - यहाँ की **समृद्ध मत्स्य संपदा (Rich Fisheries)** इसे और भी महत्वपूर्ण बनाती है।
5. **संप्रभुता विवाद (Sovereignty Dispute):**
   - चीन और फिलीपींस दोनों इस क्षेत्र को अपना बताते हैं।
   - **2012 में चीनी और फिलीपीनी नौसैनिक जहाज़ों के बीच टकराव (Standoff)** हुआ था।
   - इसके बाद से **चीन ने इस शोएल पर क जा कर रखा है।**

यूस्टोमा फूल / Eustoma Flower

संदर्भ:

Eustoma, जो पहले ओडिशा में केवल आयात के जरिए उपलब्ध होता था, अब पहली बार स्थानीय स्तर पर खिला है। यह उपलब्धि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) की अनुसंधान शाखा, नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (NBRI) ने हासिल की है।

यूस्टोमा फूल (Eustoma Flower):

सामान्य नाम: इसे आमतौर पर लिसियंथस कहा जाता है। यह अपने गुलाब जैसे सुंदर फूलों और लंबे समय तक ताजगी के लिए प्रसिद्ध है।

नाम की उत्पत्ति: इसका नाम ग्रीक शब्दों 'Eu' (अच्छा) और 'Stoma' (मुख) से बना है, जो इसके आकर्षक पुष्पकंठ (Petal Throat) की ओर इशारा करता है।

मुख्य विशेषताएँ (Characteristics):

रूप (Appearance):

- फूलों की मुलायम और लहरदार पंखुड़ियाँ गुलाब या पॉपी फूल जैसी लगती हैं।
- ये सिंगल-फ्लॉवर्ड और डबल-फ्लॉवर्ड दोनों प्रकार में पाए जाते हैं।

रंग (Colors): सफेद, गुलाबी, बैंगनी, नीला, हरा, लाल सहित द्वि-रंगी (Bicolor) और पेस्टल शेड्स में उपलब्ध।

विकास (Growth):

- पौधे की पत्तियाँ नीलापन लिए हुए, थोड़ी रसीली (Succulent) होती हैं।
- यह या तो सीधे खड़े डंठलों पर या शाखाओं वाले डंठलों पर उगता है।

किस्में (Varieties):

- प्रमुख किस्में हैं – मरमेड (Mermaid), एको (Echo), और मारियाची (Mariachi)।

मूल स्थान (Origin): यह फूल दक्षिणी अमेरिका के गर्म क्षेत्रों, मैक्सिको और उत्तरी दक्षिण अमेरिका का मूल निवासी है।

सर एम. विश्वेश्वरैया / Sir M. Visvesvaraya

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रियों ने 15 सितंबर 2025 को इंजीनियर्स डे पर **सर एम. विश्वेश्वरैया** को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेताओं ने नवाचार, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के विज़न में इंजीनियरों की अहम भूमिका को रेखांकित किया।

सर एम. विश्वेश्वरैया के बारे में

- **जन्म:** 15 सितम्बर 1861, मुद्देनहल्ली गाँव, कर्नाटक
- **पेशे से:** महान सिविल इंजीनियर, राजनेता और विद्वान
- **पुरस्कार:**
    - **भारत रत्न (1955)** – भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान
    - **नाइट कमांडर ऑफ़ द ब्रिटिश इंडियन एम्पायर (KCIE)**, 1915 में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा प्रदान किया गया

प्रमुख योगदान

- **कृष्णराज सागर (KRS) बाँध:** एशिया के सबसे बड़े जलाशयों में से एक के निर्माण में अहम भूमिका निभाई, जिससे मैसूर के मंड्या जिले की कृषि में क्रांतिकारी सुधार हुआ।
- **बाढ़ नियंत्रण प्रणाली:** 1908 की मूसी नदी की विनाशकारी बाढ़ के बाद हैदराबाद के लिए बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की।
- **सार्वजनिक कार्य:** विशाखापट्टनम बंदरगाह को समुद्री कटाव से बचाने का नवीन तरीका विकसित किया। 1912 से 1918 तक मैसूर के दीवान (प्रधानमंत्री) रहे और शिक्षा, उद्योग तथा सार्वजनिक कल्याण में कई सुधार किए।

महत्व और उत्सव: भारत में **15 सितम्बर को इंजीनियर्स डे** उनके जन्मदिन पर मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य है:

- **योगदान का सम्मान:** इंजीनियरों की कड़ी मेहनत और उपलब्धियों को पहचानना।
- **युवाओं को प्रेरित करना:** आने वाली पीढ़ियों को इंजीनियरिंग क्षेत्र में योगदान देने के लिए उत्साहित करना।
- **प्रगति पर विचार:** यह समझना कि इंजीनियरिंग जीवन की गुणवत्ता सुधारने और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में कितनी महत्वपूर्ण है।

INS त्रिकंड / INS Trikand

संदर्भ:

भारतीय नौसेना के स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस त्रिकांड ने भूमध्य सागर में अपनी तैनाती के दौरान मिस्र के अलेक्ज़ेंड्रिया बंदरगाह की यात्रा पूरी की।

INS त्रिकंड के बारे में

- **सारांश:** INS त्रिकंड भारतीय नौसेना का एक तालवार-श्रेणी (Talwar-class) गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। यह दूसरे बैच का तीसरा युद्धपोत है जिसे नौसेना में शामिल किया गया।
- **कमीशनिंग (Commissioning):** इसे रूस के कालिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड (Yantar Shipyard) में बनाया गया और 29 जून 2013 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- **डिज़ाइन और तकनीक (Design & Technology):**
    - इसमें **स्टील्थ तकनीक (Stealth Technology)** का उपयोग किया गया है, जिससे यह रडार पर आसानी से पकड़ में नहीं आता।
    - इसके विशेष **हुल डिज़ाइन (Hull Design)** की वजह से इसकी **Radar Cross-Section** कम हो जाती है।
    - इसमें रूसी और भारतीय प्रणालियों का मिश्रण है, जिससे इसकी क्षमता और बढ़ जाती है।
- **हथियार प्रणाली (Weaponry):** यह **BrahMos सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल** से लैस है, जो इसकी मारक क्षमता को अत्यधिक घातक बनाती है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
BBK
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
EMI AVAILABLE
BBK
» Long-Term Investing Foundations
» Principles of Value Investing and Stock
» Portfolio Construction Mastery
» Sectoral Investing
» Stock Picking Framework
» Active Portfolio Management Techniques
» Mega Cap vs Mid Cap Strategy
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR